- फेफडे के आसपास की झिल्लीयों के बीच की जगा- इन्ट्राप्लीयुरली
- ट्यूमर (गांठ) में - इन्ट्रालेसुनल या इन्ट्राट्यूमोरल

कीमोथेरेपी कैसे काम करती है- कीमोथेरेपी जल्दी से विकसित होते एवं विभाजित होते कैन्सर-कर्करोग के कोषो को बढने से रोकती है या उस के विकास की गति को मंद कर देती है। कई बार वह स्वस्थ कोषो को भी नुकसान पहुंचाती है, जैसे की, आपके चहरे पर उस के निशान बन जाते है और आपके बाल बढने की वजह बनती है। स्वस्थ कोषो को नुकशान पहुंचने से दुस्प्रभाव पडता है। सामान्यतःऋ कीमोथेरेपी पूर्ण होने के बाद यह दुष्प्रभाव भी चला जाता है।

कीमोथेरेपी से कौन कौन से दुष्प्रभाव होते है- आगे बताया एसे कीमोथेरेपी कभी दुष्प्रभाव के साथ जुडी हुई होती है। कैन्सर के कोषो के नजदीक आये हुए होने से सामान्य कोषो पर यह दुष्प्रभाव होता है। कुछ मरीजो के कुछ दुष्प्रभाव होते है और कुछ मरीजो को कोई भी दुष्प्रभाव नहीं होते। यह दुष्प्रभावो से बचाव के लिए या उसे कम करने के लिए आपके ओन्कोलोजिस्ट हंमेशा ज्यादा दवाई देते होते।

- तात्कालिक दुष्प्रभाव-इन्फ्युशन रिएक्शन (जलसेक प्रतिक्रिया) और रग की आसपास दवाई का रिसाव होना (लिन होना)
- प्रारंभिक दुष्प्रभाव - मिचली एवं वमन होना (कुछ ही दिनो में)
- बीच में (मध्यकाल में) होता दुष्प्रभाव- मुंह-गले में अल्सर, ब्लड काउन्ट में कमी आना, कमजोरी एवं बाल झडना
- लंबे अरसे बाद (देरी से) होते दुष्प्रभाव- फेफडे, दिल, लिवर (यकृत) या धमनी में परिवर्तन (एक महिने या वर्शो के बाद दिखाई देता है।)
- आप कैसा अनुभव करते है उस की आपके डाक्टर के साथ चर्चा करनी चाहिए एवं वही आपकी सहायता हेतु श्रेष्ठ मार्ग ढूंढ सकेंगे।

CIMS®
CARE INSTITUTE OF MEDICAL SCIENCES
Earning Trust with World-Class Practices

Joint Commission International | NABH | NABL Certificate No. MC-3049

सीम्स अस्पताल

रजी. ओफिस : प्लोट नं. **67/1**, पंचामृत बंगलो के सामने,
शुकन मोल के पास, सायन्स सीटी रोड, सोला, अहमदाबाद - **380060.**

फोन : **+91-79-2771 2771-75** फेक्स : **+91-79-2771 2770**

अपोइन्टमेन्ट के लिये फोन : +91-79-2772 1257
मोबाईल : +91 99792 75555 ईमेल : cims.cancer@cimshospital.org

24 X 7 मेडीकल हेल्पलाईन +91-70 69 00 00 00
सीम्स अस्पतालकी अेप्लीकेशन उपलब्ध है।

Google play | App Store

CIMS Hospital Pvt. Ltd. | CIN : U85110GJ2001PTC039962 | info@cims.org | www.cims.org

एम्बयुलन्स और आपातकालीन सेवायें : +91-98244 50000, 97234 50000

सीम्स कीमोथेरेपी

CIMS®
CARE INSTITUTE OF MEDICAL SCIENCES
Earning Trust with World-Class Practices

Joint Commission International | NABH | NABL Certificate No. MC-3049

कीमोथेरेपी क्या है

कीमोथेरेपी (जिसे कीमो भी कहा जाता है) वह कैन्सर-कर्करोग के ईलाज का एक प्रकार है, जिस में दवाई की मदद से कैन्सर के कोषो का नाश किया जाता है।

कीमोथेरेपी क्या कर सकती है?

- कीमोथेरेपी, कैन्सर का प्रकार कैसा है और वह कितनी मात्रा में फैला हुआ है उस के आधार पर ईलाज कर सकती है।
- क्योर कैन्सर - जिसम में कीमोथेरेपी नियत तरीके से कैन्सर के कोषो का नाश करती है जिस से डाक्टर आप के शरीर में लंबे समय बाद यह कोषो को ढूंढ नहीं पायेंगे और वह फिर से फैल नहीं पायेंगे।
- कन्ट्रोल कैन्सर- जिस में कीमोथेरेपी कैन्सर को आगे बढता रोक लेता है, उसका विकास घीमा कर देता है या नियत समयकाल के लिए आपके शरीर के अन्य अंगो में फैलते हुए कैन्सर के कोषो का नाश करती है।
- कम पीडादायक कैन्सर के चिह्न (जिसे पैलिएटिव केर भी कहा जाता है)- जिस में कीमोथेरेपी नियत समयकाल के लिए पीडा या दबाव की वजह बननेवाले ट्युमर (गांठ) को पतला कर देती है।

कीमोथेरेपी कैसे दी जाती है- हर मरीज को कैन्सर के प्रकार एवं शरीर के किस भाग में कैन्सर हुआ है वह, उस का विकास कितना हुआ है, शरीर की सामान्य क्रियाओं पर कैसी असर करता है वह एवं मरीज के सामान्य स्वास्थ्य के आधार पर कैन्सर प्रतिरोधक दवाई को पसंद किया जाता है। आप का एक या एक से ज्यादा दवाई से ईलाज किया जा सकता है। कीमोथेरेपी विविध प्रकार से दी जती है।

इन्ट्रावेरग कीमोथेरेपी- जब रग-नब्ज-नस (आईवी) में दवाई दाखिल (इन्जेक्टर) की जाती है तब वह रक्त में जल्दी से घूलमिल कर तुरन्त ही कार्य करने लगती है। आईवी इन्जेक्शन आईवी के प्रवाही का संचालन करता हो एसा अनुभव होता है। कुछ दवाई में आप को बेचैनी का अनुभव हबोता है तो कुछ दवाई से कुछ भी होता नही । ज्यादातर किस्सों में थोडे समय के लिए कोई अरुचिकर उत्तेजना का अनुभव होता है। कुछ दवाई, यदि रग के बाहर प्रसारित होती है तो उस से लालाश या चांठे (टीश्यू) हो जाने की संभावना रहती है। यदी आईवी ईलाज के दौरान आप को दर्द हो तो आपको तुरन्त ही अपने डाक्टर या नर्स को इत्तला करनी चाहिए।

इन्ट्रामस्क्युलर केमोथेरेपी - सामान्य तौर पर जांघ और नितंबों के स्नायुओं पर इन्ट्रामस्क्युलर कीमोथेरेपी दी जाता है। इस तरह से दी हुई दवाई इन्ट्रावेरग कीमोथेरेपी से मंद गति से रक्त में संमिलित होती है। इसका अर्थ वह हुआ कि उसकी असर भी इन्ट्रावेरग कीमोथेरेपी से देरी से होती है।

ओरल कीमोथेरेपी- आपको कीमोथेरेपी टेब्लेट (गोली) या कैप्सूल घर ले जानी होती है। यह ईलाज के साथ ईन्ट्रावरेग दवाई भी लेनी पड सक्ती है। तबीबी या नर्सिंग स्टाफ आप को बतायेगा।

- कब आप को गोलियां या कैप्सूल लेनी है
- कितनी बार लेनी है
- खुराक के साथ लेनी है या बगैर
- दवाई लेने से पहले या बाद में भोजन कब लेना है
- दवाई चालू हो तब कौन सी चीज खा सक्तें है, जैसे की, कुछ दवाई चालू हो तब अंगूर नहीं खा सकते।

कीमोथेरेपी के अन्य प्रकार- त्व चा के नीचे चरबी (वसा) की परत- सबक्युटेनीअस

- रक्तवाहिनी- इन्ट्रा आर्टिरियल
- आप की रीढ की हड्डी या मस्तिष्क के आसपास प्रवाही-इन्ट्राथिकली
- शरीर की गुहा (केविटी)- इन्ट्राकेविटी, जैसे की मूत्राशय, छाती या पेट (एब्डोमिनल केविटी)